nt>
Title: Requests to inform the House regarding the action being taken by the Government in cyclone affected area of Gujarat State.

PROF. P.J. KURIEN : Sir, I would submit only one thing that this House can be run only with the cooperation of the Opposition. I am sorry to say that the way the things are happening here is not good for all of us.

Sir, due to the cyclones in Gujarat, Rajasthan and Maharashtra, more than 400 of our brethren have lost their lives.

It is not an ordinary matter, and it is an emergency matter where urgent action is required. Three days back, the matter was discussed here and the Agriculture Minister ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: What is this? I have allowed Prof. Kurien.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat. This is not good. I have allowed a particular Member to speak.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : There are so many speakers inside this House.

PROF. P.J. KURIEN : Sir, the hon. Agriculture Minister has made a statement saying that actions are being taken. But so many lives have been lost and it is such an emergency matter that every Member in this House is concerned about it and has a right to know about the actions that have been taken. The Home Minister has already gone there. The Government has got a number of agencies and it can instantly know as to what actions have been taken there. Tomorrow, the House is being adjourned. We are concerned just as you are concerned. It is not that only the Members from Gujarat are concerned, but every Indian is concerned. We are one country and do not try to divide this country in terms of region or language. It is not good. Therefore, our Members want to know as to what actions have been taken. We only wanted a simple reply. Instead of saying that this is what has been done, none other than a Minister of the Government of India is charging us that we are playing politics. This is very unfortunate. I never expected such a reaction from the Treasury Benches. Suppose, a hon. Member finds it sensible to make such an allegation, then we have got a right to reply to that. But if the hon. Speaker, in his wisdom, denies us permission to reply to that, then I confess that I am hurt. This is what I want to say.

Now, I am requesting the Government that if they have any information the actions that are being taken in Gujarat, please share it with us. This is my submission.

">

श्री मदन लाल खुरानाः अध्यक्ष जी, मैं थोड़ा सा स्पष्टीकरण चाहता हूं। ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The Minister is on his legs. Please take your seats.

श्री मदन लाल खुरानाः कुरियन साहब ने जो कहा है मै उससे सहमत हूं। मैंने कोई चार्ज नहीं लगाया, आपने जो कहा मैं उसका जवाब देने के लिए खड़ा हुआ हूं। मुझे कष्ट यह हुआ कि वहां से आवाज आई कि दोनों जगह आपकी सरकारें हैं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Muttemwar, the Minister may be heard first. Shri Fatmi, please take your seat.

श्री मदन लाल खुरानाः आप पहले मेरी बात को सुन लीजिए।

SHRI VILAS MUTTEMWAR (NAGPUR): Khuranaji, what kind of measures have been taken by the Government?

श्री मदन लाल खुरानाः मैंने किसी के ऊपर चार्ज नहीं लगाया।

... (व्यवधान)

मुझे क्षमा करें।

... (व्यवधान)

मैं दोबारा यह कहना चाहता हूं कि यह मामला राजनीति से बहुत ऊपर है और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह सरकार पूरी तरह से गंभीर है।

... (व्यवधान)

कल स्टेटमेंट दिया और आज आडवाणी जी स्वयं गए हैं।

... (व्यवधान)

स्थिति का जायजा लेकर कल आपको पूरा बता देंगे।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will allow you after him. Please take your seat.

... (व्यवधान)

">

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : अध्यक्ष जी, मैंने यह बात कही थी कि दोनों जगह आपकी सरकार है। जब कल यह मामला सदन के सामने आया तो सारे लोगों ने समर्थन किया था।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: What is your submission?

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Katheria, please take your seat.

श्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी : वहां के लिए जो कुछ हो सके वह हमें करना चाहिए। आज भी सारे सदन के जितने भी मेम्बर्स यहां मौजूद हैं उनको यही उम्मीद है कि सरकार वहां के लिए काम करेगी। आपको सदन ने पूरी शक्ति दे दी, पूरा मुल्क आपकी तरफ देख रहा है तो आपकी यह जिम्मेदारी बनती है कि आप सब जगह सही तरीके से काम करें, सही तरीके से लोगों की मदद करें।

... (व्यवधान)

इसका मतलब यह है कि यह सरकार काम करने में अक्षम है।

... (व्यवधान)

मैंने यह कहा था कि दोनों जगह आपकी सरकार है।

MR. SPEAKER:Madam, please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I have allowed Shri Mohammad Ali Ashraf Fatmi, not you.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except Shri Prabhu Dayal Katheria.

(Interruptions)* _____
*

Not recroded

">

श्रीमती भावना कर्दम दवे : अध्यक्ष जी, गुजरात के मुख्यमंत्री, श्री केशुभाई पटेल ने तूफान आने से पहले ही बहुत अच्छा प्रबंध किया था। विधायकों को अलग-अ लग स्थान की डयूटी सौंपी गई थी। अधिकारीगण और तंत्र को भी सतर्क कर दिया था। चेतावनी के संदर्भ में सभी सुरक्षा कदम उठाए थे किंतु कुदरत के सामने आदमी नगण्य है। तूफान इतना भारी था,

... (व्यवधान)

इस तूफान में २००० से ज्यादा लोग मारे गए हैं और ५०,००० से ज्यादा लोग लापता हैं। आडवाणी जी और हमारे वहां के दो सांसद पुष्पदान जी और चंद्रेश भाई, ये दोनों वहां दौरे पर गए हुए हैं। कल सदन में हम गुजरात की बात कर रहे थे। आपने दूरदर्शन में लोकसभा के समाचार सुने होंगे, वहां बोला गया था कि गुजरात की बात शोरगुल में सुनी नहीं गई।

अध्यक्ष जी, मैं आपसे कहना चाहती हूं कि प्रजा के चुने हुए प्रतिनिधि को पीड़ित लोगों के प्रति जरा भी संवेदना नहीं है।

... (व्यवधान)

सारे देश की जनता क्या सोचेगी कि चुने हुए प्रतिनिधि प्राकृतिक आपदा में भी एक बन कर काम नहीं कर सकते। मुझे बहुत दुख हो रहा है।

... (व्यवधान)

हमारी पूरी बस्ती समुद्र में बह गई है और वहां नमक में काम करने वाले लोग मर गए हैं।

... (व्यवधान)

आप उनकी मदद कीजिए।

... (व्यवधान)

">

">

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : अध्यक्ष जी, मैं सदन से करबद्ध प्रार्थना करता हूं कि इसको आप राजनीतिक मुद्दा मत बनाईए। मैं आपसे हाथ जोड़ कर प्रार्थना करता हूं।

... (व्यवधान)

यह आशंका थी कि बड़ी भारी मात्रा में चक्रवात आने की संभावना है।

13.00 hrs.

श्री हरिन पाठक जारी १२०-१२५ किलोमीटर की रफ्तार से चक्रवात के आने की सम्भावना थी ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: What is this? It is not good. Please take your seat.

... (Interruptions)

श्री हरिन पाठक : मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं कि आप इसको राजनैतिक इश्यू न बनाए।

... (व्यवधान)

१५००-२००० के करीब लोग मारे गये हैं, आप हमारी भावनाओं को समझिये, आप बार-बार बीच में खड़े हो जाते हो।

... (व्यवधान)

इस प्राकृतिक आपदा पर सबको एक होना चाहिए। मैं १९८९ से सदन का सदस्य हूं। जब-जब कुदरती विपदा आई है, सदन उस कुदरती विपदा से लड़ने के लिए हमेशा एक हो गया है। कुदरती विपदा इंसान के बस की बात नहीं है। दो हजार के करीब लोग मारे गये हैं। समुद्र की लहरें २०-२० मीटर ऊंची उठ गयी थीं। कांडला पोर्ट और आस-पास का सारा क्षेत्र तबाह हो गया है। कोई भी सरकारी तंत्र जागरुक होते हुए भी इतनी बड़ी कुदरती विपदा के आगे टिक नहीं पाता। मैं प्रार्थना करता हूं कि इतनी बड़ी कुदरती विपदा को राष्ट्रीय तमाशा न बनाया जाए। हमारी संवेदनाएं आप समझने की कोशिश करें। चाहे किसी भी पार्टी की सरकार को, जब दो हजार के करीब लोग मारे जाएं, पचास हजार लोगों का पता न हो, तीन हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की सम्पत्ति नष्ट हो गयी हो, तो इस कुदरती आपदा में सदन को एक होकर इस विपदा से लड़ने के लिए कोई अच्छा सा कदम उठाना चाहिए। हमारी राज्य सरकार ने अपने समूचे साधन, मानव शक्ति लगाकर इस कुदरती विपदा पर नियंत्रण पाने के लिए काम शुरू कर दिया है। केन्द्र सरकार ने भी सहायता की घोषणा की है। हमें अधिक धनराशि और पैसों की जरूरत के साथ-साथ पूरे सदन के सहयोग की भी जरूरत है। राजनीति से ऊपर उठकर सारा सदन हमें सहयोग दे, ऐसी मैं आपसे प्रार्थना करता हूं। आज अडवाणी जी वहां गये हैं, लेकिन एक और टीम भी भेजकर वहां हुए नुकसान का अनुमान लगाया जाए और ज्यादा से ज्यादा केन्द्र सरकार की ओर से हमें धनराशि मुहैय्या कराई जाए और पूरा सदन इसमें सहयोग दे, यही मेरी प्रार्थना है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: If you permit me, I will call all the names. Otherwise, it is a loss to you only.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I am calling everybody to speak. Shri Prabunath Singh, please take your seat. I will call you.